



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर, 8, 1989/कार्तिक 17, 1911
No. 14] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 8, 1989/KARTIKA 17, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रक्षा मंत्रालय

(समन्वय विभाग)

नई दिल्ली 30 अक्टूबर, 1989

का. नि. प्रा. 21(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीसेन अधिनियम, 1957 (1957
का 62) की धारा 3 की उपधारा (i) के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि 18 नवम्बर, 1989 से तीन मास की अवधि

अवधि के लिए और का. नि. आ. 15(ई), तारीख 11 मई 1989, द्वारा प्रकाशित अधिसूचना के क्रम में श्री लंका में भारतीय शांति सेना में सेवा या कर्तव्य उक्त अधिनियम के अर्थ में और उसके प्रयोजनों के लिए सक्रिय सेवा होंगी।

[फाइल सं० एम एफ एन एल/4438]

पी राय, संयुक्त सचिव (नौसेना)

MINISTRY OF DEFENCE

(Department of Co-ordination)

New Delhi, the 30th October, 1989

SRO No. 21(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby declares that for a further period of 3 months with effect from 18 Nov 1989 and in continuation of the notification published vide SRO 15-E, dated 11 May 1989, Service or duty with the Indian Peace Keeping Force in Sri Lanka shall be active service within the meaning and for the purposes of the said Act.

[File No. MF/NL/4438]

P RAY, Jt. Secy. (Navy)